सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीतिअपार्टमेंट ,आई.पी.एक्सटेंशन,

पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५-२६

कक्षा:- तीन | विषय:हिंदी | पाठ: पाठ -६ बादल(कविता)

शब्दार्थ

१. झबरीले - चारों तरफ बिखरे

२. कूब - कूबड़, ऊँट की पीठ

३. गर्जन - तेज़ शोर

४. मतवाले - मन मौजी , लापरवाह

५. उमंगें - उल्लास

६. तूफानी - तेज़ हवा वाले

७. भाते - अच्छे लगते

८. जिद्दी - हठी

९. फुहार - बारिश की बूंदें

१०.नभ - आकाश, आसमान

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए --

प्रश्न १- बादल कैसे - कैसे रंग के होते हैं ?

उत्तर - बादल काले , सफ़ेद और चाँदी की चमक जैसे होते हैं ।

प्रश्न २- बादलों को किस - किस आकार का बताया गया है ?

उत्तर - बादलों का आकार हाथी सी सूँड़ ,ऊँटों सा कूब , पहाड़ से सीना ताने और परियों से पंख लगाए जैसा बताया गया है ।

प्रश्न ३. - मोर कब और क्यों नाचते हैं ?

उत्तर - मोर बादलों के आने पर नाचते हैं क्योंकि उन्हें वर्षा अच्छी लगती है।

प्रश्न ४- बाढ़ कब आती है ?

उत्तर - अधिक वर्षा होने पर बाढ़ आती है।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए ---

क) गर्जन - तेज़ शोर

वाक्य - शेर की गर्जन सुनकर सब डर गए ।

ख) तूफानी - तेज़ हवा वाले

वाक्य - तूफानी मौसम के कारण जहाज आगे नहीं बढ़ सका ।

ग) उमंगें - उल्लास

वाक्य - त्योहारों में बच्चों में बहुत उमंगें होती है।

घ) नभ - आकाश , आसमान

वाक्य - नभ में काले बादल छाए हुए हैं।